मुझे अपनी आदत लगा दे ओ भोले | By Rishi Tripathi |

मुझे अपनी आदत लगा दे ओ भोले
नहीं तो ये दुनिया बना देंगी पापी।
मुझे अपनी छाया में रख ले ओ भोले
नहीं तो ये दुनिया बना देंगी माटी॥

खड़ा हूँ शरण में मैं ना जाने कब से
दिखा दे मुझे अपना दर और दीवारी।
खड़ा हूँ शरण में मैं ना जाने कब से
दिखा दे मुझे अपना दर और दीवारी॥
दिखा दे मुझे अपना दर और दीवारी।
दिखा दे मुझे अपना दर और दीवारी॥

मुझे अपनी आदत लगा दे ओ भोले
नहीं तो ये दुनिया बना देंगी पापी।
मुझे अपनी छाया में रख ले ओ भोले
नहीं तो ये दुनिया बना देंगी माटी॥

जटाटवीगलज्जलप्रवाहपावितस्थले
गलेऽवलम्ब्य लम्बितां भुजङ्गतुङ्गमालिकाम्।
डमड्डमड्डमड्डमन्निनादवड्डमर्वयं
चकार चण्डताण्डवं तनोतु नः शिवः शिवम्॥

डमड्डमड्डमड्डमन्निनादवड्डमर्वयं
चकार चण्डताण्डवं तनोतु नः शिवः शिवम्॥

पड़ा हूँ मैं माया के गहरे भँवर में
मिटा दे तू माया ये सारी की सारी।
मिटा दे तू माया ये सारी की सारी॥

मुझे अपनी आदत लगा दे ओ भोले
नहीं तो ये दुनिया बना देंगी पापी।
मुझे अपनी छाया में रख ले ओ भोले
नहीं तो ये दुनिया बना देंगी माटी॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a6%e0%a4%a4-%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%87-%e0%a4%93-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-by/